

Handwritten notes in Hindi, including the name 'श्री अब्दुल गफ़ार' and some illegible scribbles.

Handwritten notes in Urdu, including the name 'عبد الحفار خان' and some illegible scribbles.

Handwritten notes in Urdu, including the name 'عبد الحفار خان' and the signature 'Abdul Ghaffar Khan' with the number '21-3-87'.

1. भैरवधारीका नाम की धूरापता

श्री अब्दुल गफ़ार (बां पिता स्वर्गीय बहाब बां जाति मैठाग निवास ग्राम सहजना अंचल की भागा गढ़वा प्रगना की जिला पलामू। वर्तमान निवास शहर डालगगंज अंचल की भागा डालगगंज जिला पलामू। व्यवसाय कृषिकार्य। राष्ट्रीयता भारतीय। शपथ पत्र सं. 942 दिनांक 27. 3. 87 विधुता।

2. भैरवधारीका नाम की धूरापता

श्री सुरेन्द्र तिवारी आत्मज श्री लक्ष्मी-तिवारी जीवित जाति ब्राह्मण निवास ग्राम कल्याण पुरा अंचल की भागा गढ़वा

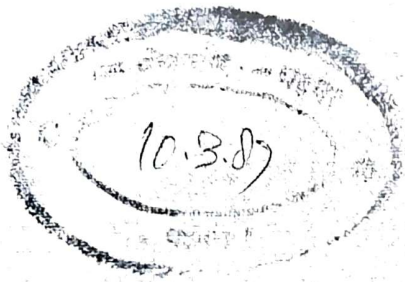
Handwritten notes in Urdu, including the name 'श्री सुरेन्द्र तिवारी' and the number '21-3-87'.

11/11/19
 Judicial Stamp
 (for Seal of the Court)
 for

عبد الخارفان
 10/3/26

$500 \times 2 = 1000$
 $100 \times 3 = 300$
 $60 \times 1 = 60$

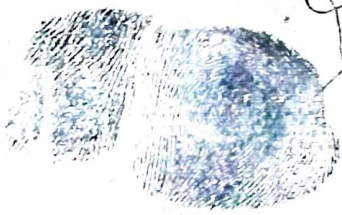
 1360



~~Handwritten text and scribbles, possibly a signature or date.~~



~~Handwritten text and scribbles, possibly a signature or date.~~



990
 B/M

990
 R/M

عبد الخارفان
 10-3-26



37/1/3/26

29-3-26

my name is 10/3/26



३.
 पगना की जिला पलामुं। अवसाय कृषि कार्य।
 राष्ट्रीयता भारतीय। अध्याय पत्र सं. १५३-
 दिनांक २१. ३. २१. केना।

سی عبدالغنی رفان
 تاریخ ۱۴-۳-۲۱

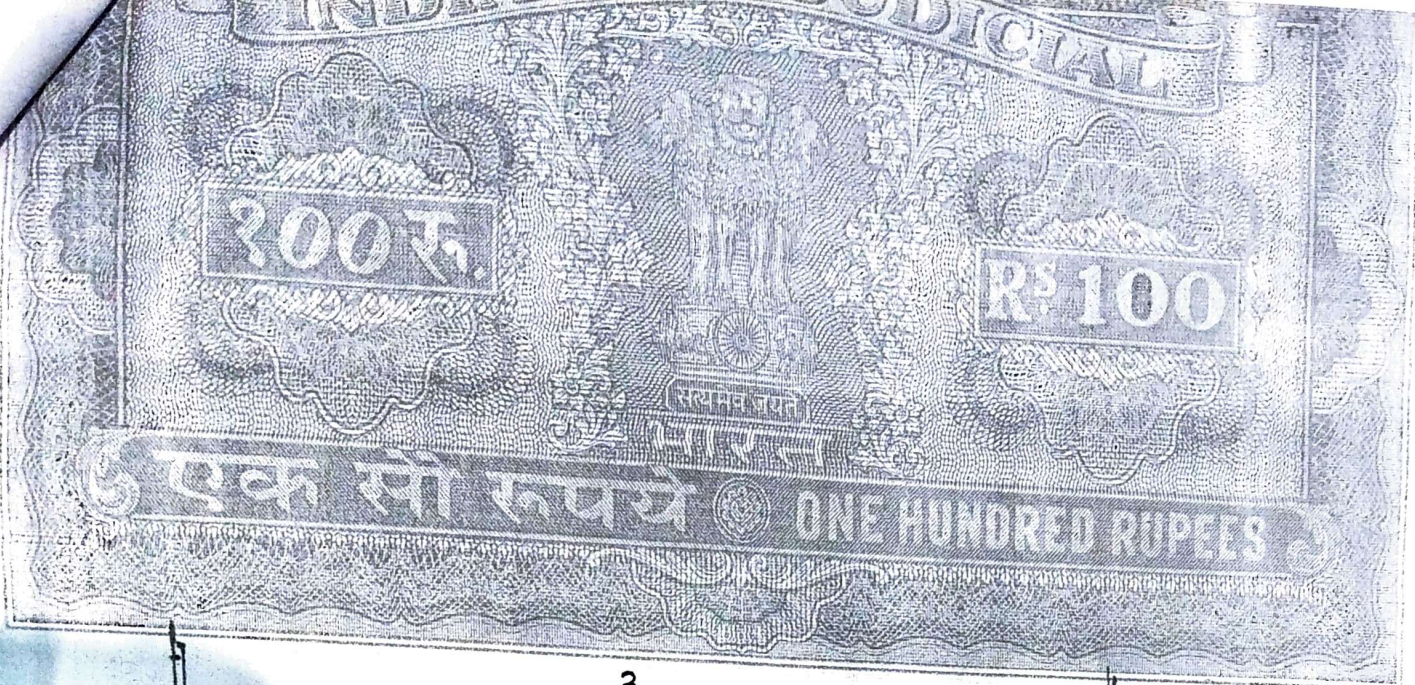
३. वैध प्रकाश :- विक्रय - पत्र (पूर्वाला बदला पलामी)
Sale deed.

४. मूल्य :- २०,०००/०० घुल मूल्य केवल बीस हजार -
 रुपया मात्र।

५. सम्पत्ति :- ०.०९ १/२ कुल सम्पत्ति केवल सात पूर्णांक एक बटा
 दो डिसेमिल, देशी नाप दी कटा जमीन खान
 क्षेत्र II ग्राम सहिजना अंचल की खान -
 गढ़वा, के अन्तर्गत अवस्थित है, जिसका
 पूरा विवरण नीचे दिया गया है।
जमीन का पूरा विवरण

ग्राम सहिजना अंचल की खान गढ़वा अवर
 निबन्धन कार्यालय गढ़वा, जिला निबन्धन
 कार्यालय डालपगंज पगना की जिला पलामुं
 नगर पालिका गढ़वा के अन्तर्गत हकिमत
 हैपती मौवसी सम्पत्ति पार्ट होलिंगे किस्की

10/10/2021
 27-3-21



3.

बताने हैं।

नौजी न० — खेवट न० — भाग न०
 १२८ बी. — १ — ३४५

खाना न० — खेवट न० — क्षेत्रफल — वर्ग मी

१२९ — ५८ — ०.०९ १/२ उ० श्रीमती केशरी देवी
 (एक बीघा इला) — (अनहावन) — (लादेसानदि) प० श्रीमती पुष्पा देवी
न० श्रीमती मनोमोहिनी
 प० बिडेना दाए छोड़ा
 जमा १० कीट चौड़ास्ता

سی عبد الحفایان
 تاریخ ۲۱ - ۱۰ - ۱۳۰۲

पौग - १ — १ — ०.०९ १/२ (सात पूर्णाड एक
 बटा दो डिहमिल जमीन विक्री करतें हैं)

वार्षिक राजस्व ०.०९ सात पैस मास
 नाम मासिक - बिहाल साका राजस्व विभाग
 दाए अंचल पदाधिकारी गढ़वा, जिलापलामुं
जमीन का विहना

उत्तर से दक्षिण ६६ कड़ी एवं पुरब से
पश्चिम ११३ कड़ी जमीन विक्री करतें हैं।

इस समय मुझे अपने भवन का
 निर्माण करना नितावन आवश्यक है साथ
 ही साथ अपने लहाव में दूसरे जगह



भूमि खरीदने के लिए भी रुपये की -
अति आवश्यकता है। साथ ही कई अन्य
आवश्यक कार्यों को करने के लिए भी रुपये
की कमी जहरी है, और इस समय में
पास रुपये का काफी आभाव है। ऐसी
स्थिति में मैं उपर खाना ५ (पाँच) में
वर्णित अपने हिस्से की जमीन को बिक्री
करके उपर वर्णित सभी कार्यों को इलेक्ट्रिक
उचित समझा, जिसके लिए मैंने उपर खाना
५ (पाँच) में वर्णित जमीन (सम्पत्ति) को
बेचने की घोषणा की, जिसे सुनकर उपर
लिखे लेखपाल श्री सुरेन्द्र तिवारी ने उसे आज
के चाणू बाजार पर पर खरीदने की पूर्ण
स्वीकृति प्रदान की। इसमें वर्णित सम्पत्ति
का इससे अधिक मूल्य कोई अन्य व्यक्ति
देने की तैयारी नहीं हुए।

अतः मैंने अपनी इच्छा से
अपने शरीर की मन की स्वस्यता में -

محمد عبد الحفيظ خان
تاریخ: 12-11-2012



५

उपर खाना ५ (पांच) में वर्णित जमीन
 (सम्पत्ति) की उपर लिखे लेख्यकारी
 श्री सुरेन्द्र तिवारी के हाथ कुवल २०,०००/-
 बीस हजार रुपया मात्र के मूल्य पर बिक्री
 किया, तथा इसमें वर्णित सम्पत्ति का-
 समी प्रकाश अधिकारीदि उपर लिखे
 लेख्यकारी की हस्तान्तरित कर देया
 आज दिनांक ११-३-१९८७ ई. से ही अब इस
 सम्पत्ति पर न मैं किसी प्रकार अधिकार
 रहा और न मेरे किसी भी उत्तराधिकारी
 या स्वामिपदा का ही। विदित हो कि
 इस विक्रय पत्र की निबन्धन कार्यालय से
 निकालने वाला प्रती (रसीद) का लेख्यकारी
 के हाथ में जाना ही इसके पूरे मूल्य का-
 भुगतान समझा जायेगा।

سید عیبا الحفاز خان
 تاریخ ۱۱-۳-۸۷

में घोषित इला है कि उपर खाना
 ५ (पांच) में वर्णित जमीन मुझे अपने-
 पारिवारिक बेटवारे में निवृत्त विलोच
 संख्या ४२६ दिनांक १०-१-९२ के



६.

वंशक्रमानुगत (मौलसी) होते हुए भी प्राप्त
 हैं; जिसका राजस्व मांग भी मैलेनाम से
 गाम सहिजना के जमाबन्दी वही है प्रहसं
 १४०/II में चलता है। इसमें कर्षित जमीन
 (सम्पत्ति) पर भी निर्विवाद अधिकार
 की शान्तिपूर्ण प्रपल कब्जा है। तथा इस-
 सम्पत्ति पर किसी प्रकार का ऋणभार
 एवं वाद-विवाद की शक्यता-भेदों में नहीं
 हैं साथ ही भी गाम-सिलिंग सूचि में
 भी नहीं हैं। विदित ही कि इस विक्रय
 के साथ संलग्न नक्से में पिकी की गड़-
 जमीन का पूरा विवरण देखा जा सकता है।

इसलिए मैंने यह विक्रय-
 पत्र (देवाला प्रपल कलामी) लिख दिया
 रहे प्रमाण रहे की समय पर काम-
 आवै।

سید عبدالغفار خان
 لاہور ۱۰-۳-۱۹۲۹

विक्रय पत्र उक्त पत्रों की
 मुना की समझा रद्दा
 लिपिका :- आवक्या प्रवाद तहसिल
 गाँवा, पलाय
 दिनांक = ११/३/१९२९